KU Newsletter

हरियाणवी विशेषांक

November 2025/ Edition 8, Vol. 1 मार्गशीर्ष, विक्रम संवत १० ८२

www.kuk.ac.in

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं कर्‌या अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के ब्रोशर का विमोचन

अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन भारतीय दर्शन अर् वैश्विक शांति संदेश देण का मौका: प्रो. सचदेवा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय म्हैं फैकल्टी लॉज म्हैं 24 तै 26 नवम्बर 2025 तक "श्रीमद्भगवद्गीतोक्त स्वधर्मः कर्तव्यनिष्ठा, शांति अर् सद्भावना की प्रेरणा" विषय पै होण आळे 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन–2025 की तैयारियां नैं लेकैं विभिन्न समितियां की बैठक कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता म्हैं होई।

इस मौके पै कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं तीन दिवसीय सम्मेलन का ब्रोशर विमोचित कर्‌या। बैठक म्हैं सम्मेलन के आयोजन खात्यर गठित समितियां के संयोजक अर् सदस्य भागीदार रह्ये। सम्मेलन 24 तै 26 नवम्बर 2025 तक विश्वविद्यालय परिसर म्हैं होवैगा। बैठक म्हैं कार्यक्रम तै जुड़्ये तमाम इंतजामां, काम–योजनां अर् विभागीय जिम्मेदारी पै विस्तार तैं चर्चा कर्‌यी गई।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नै कह्या अक् यो सम्मेलन गीता के वैश्विक संदेश नैं दुनिया तईं पहुंचाण का एक सार्थक प्रयास सै। सभी समितियां नैं आपस म्हैं तालमेल बणाणै अर् समय पर काम निपटाणै पै ध्यान देण की जरूरत सै। उन्होंनैं कह्या अक् अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन न केवल शैक्षिक विचार–विमर्श का मंच सै, बल्कि भारतीय दर्शन, संस्कृति अर् वैश्विक शांति संदेश साझा करण का एक महत्वपूर्ण अवसर भी सै।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं बताया अक् इस बार विदेश मंत्रालय इस आयोजन म्हैं खास भूमिका निभा रह्या सै। उन्होंनैं कह्या अक् सम्मेलन के तहत होण आळे सत्रां की रिकॉर्डिंग कराई जावैगी। इसके साथ विशिष्ट व्यक्तियां के वीडियो कैप्सूल अर् सोशल मीडिया रील्स भी तैयार कर्‌यी जावैंगी, ताकि गीता का संदेश ज्यादा पै ज्यादा लोगां तईं आधुनिक माध्यमां तैं प्होंच सकै।

इस मौके पै कुलसचिव लेफ्टिनैंट डॉ. वीरेन्द्र पॉल, डीन एकेडमिक प्रो. राकेश कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रो. ए.आर. चौधरी, सम्मेलन निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा, प्रो. मोहिन्द्र चांद, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. कृष्णा देवी, डीवाईसीए निदेशक प्रो. विवेक चावला, प्रो. वनिता ढींगरा, प्रो. मंजूला चौधरी, प्रो. रीटा, प्रो. कुलदीप सिंह, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. सुरजीत, डॉ. गुरचरण सिंह, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. खुशविंदर कौर, डॉ. रामचन्द्र, डॉ. रूचि गुप्ता, डॉ. सुशील कुमार, डीवाईसीए की उप–निदेशक डॉ. सलोनी पवन दिवान समेत तमाम समितियां के संयोजक अर् सदस्य मौजूद रह्ये।

गीता सम्मेलन तळै 15 विभागां तैं होवैगा 13 तकनीकी सत्रां का आयोजन

d|#{k=A सम्मेलन निदेशक प्रो. तेजेन्द्र शर्मा बताया अक् विवि म्हैं अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन के अंतर्गत 15 विभागां तैं विषयां पै 13 तकनीकी सत्र आयोजित कर्‌ये जावैंगे। इन सत्रां म्हैं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग अर् संस्थान श्रीमद्भगवद्गीता के विविध पहलुआं पै अपणे शोध अर् विचार प्रस्तुत करैंगे।

प्रो. तेजेन्द्र शर्मा बताया अक् कार्यक्रम के मुताबिक – तकनीकी सत्र–1 संस्कृत, पाली अर् प्राकृत विभाग द्वारा कराया जावैगा, विषय रहैगा "स्वधर्म इन श्रीमद्भगवद्गीताः जीवन के अर्थपूर्ण आधार की नींव – व्यक्ति तै समष्टि तक"। सत्र–2 प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग अर् गीता अध्ययन केंद्र द्वारा "महाभारत के काल निर्धारण" पै केंद्रित रहैगा। सत्र–3 यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट अर् प्रबंधन अध्ययन संस्थान द्वारा "प्रबंधन म्हैं उत्कृष्टता खात्यर गीता का रूपांतरणकारी ज्ञान" पै रहैगा।

सत्र–4 पर्यटन अर् होटल प्रबंधन विभाग द्वारा "कर्तव्य, शांति अर् सद्भावना खात्यर प्रेरणा – श्रीमद्भगवद्गीता तै" पै चर्चा होवैगी। सत्र–5 गृह विज्ञान विभाग द्वारा "स्वधर्म, निष्काम कर्म अर् पोषण सेवा तै मानसिक स्वास्थ्य" पै विचार–विमर्श होवैगा। सत्र–6 सामाजिक कार्य विभाग म्हैं "कर्तव्य अर् शांति खात्यर मार्गदर्शक दर्शन के रूप म्हैं गीता" पै विचार होवैगा।

लोक सम्पर्क विभाग निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया नैं बताया अक् – सत्र–7 कानून विभाग द्वारा "मौलिक कर्तव्यों पै गीता के सिद्धांत" पै चर्चा होवैगी। सत्र–8 शिक्षक प्रशिक्षण अर् अनुसंधान संस्थान म्हैं "चरित्र निर्माण खात्यर स्वधर्म अर् शिक्षा" पै केंद्रित विचार–विमर्श होवैगा। सत्र–9 डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र द्वारा "स्वधर्म की समझः धार्मिक आचरण की आंतरिक दिशा" पै चर्चा होवैगी। सत्र–10 आईआईएचएस संस्थान द्वारा "गीता के स्वधर्म दृष्टिकोण तै विकसित भारत खात्यर अवधारणा अर् समाधान" पै विचार होवैगा।

सत्र–11 यूआईईटी संस्थान द्वारा "एथिक्स, एआई, तकनीक अर् मानव एजेंसी गीता के प्रकाश म्हैं" पै विमर्श होवैगा। सत्र–12 ललित कला विभाग द्वारा "आंतरिक शांति अर् सार्वभौमिक सद्भावना की दिशा म्हैं कला की भूमिका" पै विचार सांझे कर्‌ये जावैंगे। सत्र–13 पंजाबी विभाग द्वारा "विश्व शांति अर् सामंजस्य की दृष्टि तै श्रीमद्भगवद्गीता का दर्शन" पै चर्चा होवैगी।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव म्हैं बणैगा हरियाणा पवेलियन, 70 तै ज्यादा स्टॉल लगैंगे

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता म्हैं आगामी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव–2025 के मौके पै 24 नवम्बर तै 5 दिसम्बर तक लगण आळे हरियाणा पैवेलियन की तैयारियां नैं लेकैं एक बैठक होई। बैठक म्हैं कोर कमेटी, हट कमेटी, प्रदर्शनी कमेटी, हरियाणवी क्राफ्ट एग्जीबिशन कमेटी, डेकोरेशन कमेटी, मीडिया कमेटी, फूड कमेटी, परचेज कमेटी बणाई गयी, ताकि पैवेलियन का सारा कामकाज सुचारु ढंग तै चालै। इसै संग एक स्टार्टअप कमेटी भी गठित की गयी सै। इस मौके पै कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं कह्या अक् कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा तैयार हो रह्या हरियाणा पैवेलियन पर्यटकां खात्यर विशेष आकर्षण का केन्द्र बणैगा। हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत के 70 तै ज्यादा स्टॉल इस पैवेलियन म्हैं लगैंगे, जिनम्हैं हरियाणा की परंपरा, लोक कला अर् संस्कृति नैं पर्यटकां तै रूबरू करवाया जावैगा। फाइन आर्ट्स विभाग, होम साइंस विभाग, आईआईएचएस, धरोहर संग्रहालय, स्टार्टअप स्टॉल, स्वदेशी उत्पाद, सरस्वती नदी अनुसंधान केंद्र, यज्ञशाला अर् फोटो क्लिकिंग (पगड़ी बंधवाओ) का भी खास प्रबंध कर्‌या जावैगा। एक स्टॉल सामग्री भंडारण खात्यर लॉक सिस्टम सहित तैयार कर्‌या जावैगा। हरियाणा पैवेलियन म्हैं जडैं एक ओर हरियाणवी व्यंजन पर्यटकां खात्यर उपलब्ध रहैंगे, वहीं दूसरी ओर हरियाणा की समृद्ध संस्कृति अर् रीति–रिवाज नैं देखण अर् समझण का भी मौका मिलैगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमां का आयोजन सवेरे अर् सांझ दोनों सत्रां म्हैं होवैगा। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय प्रशासन अर् कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मिलकै तय करैंगे। अर् पैवेलियन की मीडिया कवरेज केवल विश्वविद्यालय जनसंपर्क विभाग करैगा अर् मीडिया स्वयंसेवक आईएमसीएंडएमटी तै उपलब्ध करवाए जावैंगे। थीम आधारित सजावट, सेल्फी प्वाइंट, पारंपरिक रंगोली अर् वातावरण निर्माण का काम फाइन आर्ट्स विभाग संभाळैगा।

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक समारोह रत्नावली धूमधाम अर् हर्षोल्लास तैं संपन्न

हरियाणवी संस्कृति की अमिट छाप छोड्ग्यी रत्नावली

कुरुक्षेत्र। हरियाणवी संस्कृति का असल परिचायक रत्नावली समारोह इस बार सबके दिलां पै ऐसी छाप छोड्ग्या सै, जो मिटण आळी ना सै। चार दिन चाल्या हरियाणवी संस्कृति का यो महाकुंभ शुक्रवार नैं बड़े हर्ष–उल्लास अर् धूमधाम तैं संपन्न होया।

प्रदेश भर तैं आऐ करीब 3500 कलाकार आपस म्हैं फेर मिलण का वायदा करकैं विदा होए। छह मंचां पै 34 लोक विधां म्हैं कलाकारां नैं चार दिन तक खूब धमाल मचाया। हरियाणा की संस्कृति का हर रंग, हर रस अर् हर सुर रत्नावली के मंच पै झलकता दिख्या। जितणे उमंग अर् जोश तैं युवा कलाकारां नैं अपनी प्रस्तुति दी, उतनी ही गर्मजोशी तैं दर्शकां नैं भी ताळियां बजाकैं हौसला बढ़ाया।

इस बार का उत्सव कई दृष्टियां तैं खास रह्या। खासतौर पै कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का हरियाणवी बोली नैं भाषा के

रूप म्हैं स्थापित करणा अर् "लोक सांझी" नैं हरियाणा की लोक कला के रूप म्हैं पहचाण दिलावण वाला काम काबिले तारीफ रह्या। रत्नावली समारोह म्हैं हरियाणा की 34 लोक विधां की प्रस्तुति नैं जणूं सबका मनोरंजन ही ना कर्‌या, बल्कि हरियाणवी लोक जीवन की आत्मा भी जीवित करद्यी। समारोह म्हैं लाग्या हस्तशिल्प मेळा भी युवां खात्यर एक कार्यशाला अर् प्रेरणा का मंच बणग्या। इस मेळे म्हैं आत्मनिर्भर भारत, स्वावलंबी युवा, स्वदेशी का प्रयोग, प्लास्टिक रहित जीवन जिसे विषयां पै लग्या प्रदर्शन सबका ध्यान खींचण आळा रह्या।

युवां नैं अपणे पै विश्वास अर् काम करण की प्रेरणा मिली। कई युवा कलाकारां नैं अपणे हुनर तैं कमाई करण का रास्ता भी दिख्या। इस बार का रत्नावली समारोह पूरी तरह विद्यार्थियां के बूते पै चाल्या। हर एक व्यवस्था – चाहे मंच की हो, माइक की, आतिथ्य की या प्रस्तुति की सबकुछ विद्यार्थियां नैं ही संभाळ लिया। या कहण म्हैं कोई अतिशयोक्ति ना होगी अक् रत्नावली अब सिर्फ उत्सव ना रह्या बल्कि विद्यार्थियां खात्यर एक जीवंत कार्यशाला अर् सीख का मैदान बणग्या सै।